आजकल एकल परिवार, माता-पिता की व्यस्तता और कोरोना काल के कारण बच्चे मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग ज्यादा कर रहे हैं| जिस कारण बच्चों में मानसिक मंदता, ऑटिज्म, कम बोलना या किसी से बात ना करना, हिचकिचाना या हकलाना, जैसे वॉइस डिसऑर्डर का शिकार हो रहे हैं।और कुछ बच्चों में सुनने की भी समस्या उत्पन्न हो रही है। कुछ वयस्कों में भी सुनने की समस्या, मनोवैज्ञानिक आघात, मस्तिष्क पक्षाघात और किसी दुर्घटना के कारण भी भाषा व कानों में विकार उत्पन्न हो सकती है। अतः ऐसी समस्याओं के निदान के लिए स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट और ऑडियोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। जो इन समस्याओं के बारे में बताता ही नहीं, बल्कि उन समस्याओं का समाधान भी करता है।

**स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट और ऑडियोलॉजिस्ट कौन होते हैं?** जो BASLP कोर्स करते हैं वे स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट और ऑडियोलॉजिस्ट कहलाते हैं |

## ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट विशेषज्ञों की कार्य:-

- सुनाई की जांच, संतुलन और टिनाइटिस के विकारों की पहचान, परीक्षण और निदान।
- श्रवण स्वास्थ्य एवं उपचार की संभावित आवश्यकता के बारे में रोगियों को सलाह देना।
- श्रवण यंत्र और कॉक्लियर इंप्लांट के लिए रोगी का आंकलन करना।
- सर्वोत्तम संभव परिणाम के लिए हियरिंग एड और कोक्लियर इंप्लांट के लिए प्रोग्रामिंग और ऑडियोलॉजिकल पुनर्वास प्रदान करना।
- जिन् वृद्ध लोगों को सुनने में समस्या है उसका परीक्षण करके बताना कि रोगी का ऑपरेशन होना है या कान की मशीन (हियरिंग एड) से ही सुन सकता है |
- न बोलने वालों के लिए स्पीच थेरेपी की सलाह देना/स्पीच थेरेपी करना।
- नवजात सुनवाई स्क्रीनिंग कार्यक्रमों का पर्यवेक्षण और संचालन करना।
- बचपन में देर से बोलना, ऑटिज्म, Aphasia, ADHD, voice disorder, Hearing loss, Post Cochlear Implant, Swallowing difficulties, मनोवैज्ञानिक आघात और मस्तिष्क पक्षाघात, जन्मजात दोषों सहित आदि कारणों से वाक् व भाषा विकार का इलाज करना।
- ASLP उन वृद्ध लोगों और वयस्कों के लिए भी काम करते हैं। जिन्होंने स्ट्रोक, दुर्घटना और स्वर यंत्र को हटाने (laryngectomee) जैसे चिकित्सा कारणों से संवाद करने की अपनी क्षमता खो दी हो।

**सरकारी मेडीकल कालेज जबलपुर** में निःशुल्क कान की मशीन भी उपलब्ध है। और 5 वर्ष तक के बच्चे जिन्हें बिलकुल भी सुनाई नहीं देता उनका कोक्लियर इंप्लांट निःशुल्क किया जाता है।

इस प्रकार का स्पेशलिस्ट बनने के लिए BASLP कोर्स करना होता है, तभी इस क्षेत्र में आगे बढ़ा जा सकता | और समस्याओं के संबंध में लोगों को जागरूक व इन समस्याओं को कम किया जा सकता है

## ऑडियोलॉजिस्ट एवं स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट बनने के लिए BASLP कोर्स का विवरण:-

कोर्स का नाम- BASLP ( बैचलर इन ऑडियोलॉजी एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी)

कोर्स का स्तर- Under Graduate.

कोर्स की अवधि- (6 सेमेस्टर+10 माह इंटर्नशिप) लगभग 4 वर्ष

BASLP के लिए योग्यता- न्यूनतम 55% कुल अंकों के साथ 12वीं उत्तीर्ण ( फिजिक्स केमेस्ट्री बायोलॉजी/ फिजिक्स केमिस्ट्री मैथमेटिक्स)

BASLP परीक्षा का प्रकार- सेमेस्टर प्रणाली

भारत में BASLP का वेतन- 4 लाख से 6 लाख प्रतिवर्ष

कहां कहां कोर्स उपलब्ध हैं- मध्यप्रदेश के **जबलपुर में सरकारी मेडीकल कॉलेज** में BASLP कोर्स संचालित होता है। इसके अलावा इंदौर और भोपाल में भी प्राइवेट संस्थाएं ये कोर्स संचालित करती हैं।

## BASLP में करियर

जो लोग ऑडियोलॉजी और स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी में डिग्री प्राप्त करते हैं, वे दिव्यांगता के क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले विभिन्न प्रशिक्षण और अनुसंधान केंद्रों में मानव संसाधन विकास का हिस्सा बन सकते हैं |

ऑडियोलॉजी और स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी में स्नातक स्वतंत्र रूप से प्रैक्टिस कर सकते हैं | वे अस्पतालों के कान- नाक -गला विभाग, बाल रोग विभाग, न्यूरोलॉजी विभाग, पुनर्वास केंद्र, वाक् और श्रवण केंद्र, विशेष स्कूलों और क्लीनिक, श्रवण यंत्र कंपनी आदि क्षेत्रों में कार्य करने के लिए पात्र होते हैं। ये प्रशिक्षण कार्यक्रमों में पर्यवेक्षकों/ शिक्षकों के रूप में भी कार्य कर सकते हैं |

बच्चों और वयस्कों के इलाज के साथ उन्हें उचित काउंसलिंग भी देते हैं।

यह स्वास्थ्य विज्ञान की एक शाखा है जो किसी व्यक्ति के वाक्-भाषा एवं सुनने के विकार से संबंधित है।
BASLP कोर्स करने वालों के लिए सरकार ने हर जिले में **सरकारी नौकरी का भी प्रावधान रखा** है। और हर मेडिकल कॉलेज में इनकी आवश्यकता होती है।

## शीर्ष BASLP नियोक्ता (employer)

– गैर सरकारी संगठन /सरकारी संस्थाएं/एजेंसी

– शोध करने वाली फर्म / पुनर्वास केन्द्र

–बच्चों के लिए विशेष स्कूल / मानसिक स्वास्थ्य संस्थान/संगठन

– क्लीनिक / कॉलेज / संस्थान

आजकल स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट और ऑडियोलॉजिस्ट एक आशाजनक करियर के लिए अच्छा विकल्प हैं । बोलने और सुनने से संबंधित विकारों के इलाज, और लोगों में बढ़ती जागरूकता ने इन विशेषज्ञों की मांग को बढ़ा दिया है। इसलिए इस क्षेत्र में करियर बनाना काफी अच्छा साबित हो रहा है। अन्य क्षेत्रों के साथ–साथ ये क्षेत्र भी विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। देश और विदेश मे भी स्पीच लैंग्वेज पैथालॉजिस्ट एवं ऑडियोलॉजिस्ट की मांग बढ़ रही है।

Forwarded to
Dean
Course Co-ordinator
B.A.S.L.P. Unit
ENT Department
N.S.C.B. Medical College
Jabalpur (M.P.)